संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

कक्षा	बी.ए. तृतीय वर्ष	
सत्र	2020–2021	
विषय	हिंदी साहित्य	
प्रश्न–पत्र	द्वितीय	
प्रश्न–पत्र का शीर्षक	हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं बुंदेली भाषा साहित्य	
अनिवार्य / वैकल्पिक	वैकल्पिक	
अधिकतम अंक	सैध्दांतिक मूल्यांकन	आंतरिक मूल्यांकन
50	40	10

उद्देश्य (Objective) – हिंदी की विभिन्न गद्य विधाओं के विकास क्रम का परिचय एवं अभिनय कला का गंभीर विश्लेषण। क्षेत्रीय बोली बुंदेली भाषा और साहित्य के विकास का परिचय।

अधिगम (Course Out Come)

1. हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं के माध्यम से भारतीय जीवन मूल्यों और परम्पराओं का ज्ञान
2. सृजनात्मक क्षमता का विकास
3. मानवीय संवेदनाओं का बोध
4. क्षेत्रीय बोली से जुडे साहित्य और साहित्यकारों के अध्ययन के माध्यम से स्थानीय संस्कृति, जीवन मूल्यों एवं परम्पराओं का ज्ञान

पाठ्यक्रम विवरण

प्रथम इकाई	व्याख्यांशः 'ध्रुवस्वामिनी' और एकांकी दीपदानः डॉ. रामकुमार वर्मा, वापसीः विष्णु प्रभाकर, निबंध–'करुणा' : पं. रामचंद्र शुक्ल, नाखून क्यों बढते हैंः हजारी प्रसाद द्विवेदी, नाटक उत्तिष्ठ भारतः त्रिभुवननाथ शुक्ल (आरम्भ के दो दृश्य)। ईसुरी, जगनिक, माधव शुक्ल मनोज एवं संतोष सिंह बुंदेला की निर्धारित रचनाओं से व्याख्या।
द्वितीय इकाई	'ध्रुवस्वामिनी' और निर्धारित एकांकी तथा निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक

	प्रश्न।
तृतीय इकाई	नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ हिंदी गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास। (निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा वृत्तांत)
चतुर्थ इकाई	पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित बुन्देली भाषा और उसकी उपबोलियों का परिचय, इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।
पंचम इकाई	द्रुत पाठ – लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, मोहन राकेश, भारतेंदु हरिश्चन्द्र, सुरेश शुक्ल 'चन्द्र', बाबू गुलाब राय, महादेवी वर्मा, गोरे लाल, गंगाधर व्यास, पं. भैयालाल व्यास, दुर्गेश दीक्षित एवं **पूरनचंद्र श्रीवास्तव** पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।

पाठ्य–पुस्तक – हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं बुंदेली भाषा साहित्य

प्रकाशक – मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

अंक विभाजनः–

नियमित–40

खण्ड–अ– 1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न) 1×5= 05 अंक

खण्ड–ब– लघुउत्तरीय प्रश्न (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न) 3×3=9 अंक

खण्ड–स– अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न) 8×2=16 अंक

ब– टिप्पणी (पाँच–पाँच अंकों की कुल 2 टिप्पणियाँ) 5×2=10 अंक

आंतरिक मूल्यांकन – अंक विभाजन

तिमाही 5 अंक, छैमाही 5 अंक